प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी ऐच्छिक (कोड 002) कक्षा बारहवीं (सेट-1)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:-

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है**
- **खंड 'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए ।**
- **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं ।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए ।**

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	अंक
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न 1.		
(i)	iii. धर्म	1
(ii)	iv. मायावाद के	1
(iii)	iv. उपर्युक्त सभी	1
(iv)	iii जायसी	1
(v)	iv. बाह्याडंबर, रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर तीव्र कुठाराघात।	1
(vi)	iv. संस्कृति काल	1
(vii)	iv. पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी	1
(viii)	ii. दक्षिण भारत	1
(ix)	iv. उपर्युक्त सभी	1
(x)	ii. शिव भक्तिधारा	1
	अथवा	
(i)	iv. उपर्युक्त सभी ।	1
(ii)	i. अपने बढ़ते उत्पादन की खपाने के लिए हर शक्तिशाली देश अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा रहा है।	1
(iii)	i. आपसी प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है।	1
(iv)	ii. जो अंधाधुंध प्रकृति के मूल्यवान भंडारों की लूट मचाकर आराम और संपन्नता प्राप्त कर रहे हैं।	1
(v)	iii. संवेदनशील लोग	1
(vi)	i. विकसित	1

https://www.evidyarthi.in

(vii)	iv. निश्चिंत	**1**
(viii)	iv. लोगों को स्वार्थरहित कर दिया ।	**1**
(ix)	ii. कर्मधारय	**1**
(x)	i. महाविनाश की ओर अग्रसर मानव	**1**
	अपठित पद्यांश	**(8)**
प्रश्न 2.		
(i)	i. जीवन पथ पर आगे बढ़ने वाले यात्री को ।	**1**
(ii)	ii. मौन	**1**
(iii)	iv. स्वयं की समझ से सोच विचार कर कदम बढ़ाना ।	**1**
(iv)	iv. विरोधाभास व मानवीकरण दोनों	**1**
(v)	iii. सौन्दर्य	**1**
(vi)	ii. सोच-विचार में अत्यधिक समय व्यर्थ करने से ।	**1**
(vii)	ii. यात्री	**1**
(viii)	iii. कुछ लोगों ने स्मरणीय व अनुकरणीय कर्म किए ।	**1**
	अथवा	
(i)	ii. अंग्रेजों से	**1**
(ii)	iii. जनतंत्र आ रहा है	**1**
(iii)	iv. उपर्युक्त सभी ।	**1**
(iv)	i. कर्कश ध्वनि	**1**
(v)	iii. कथन (i) व (ii) दोनों सही हैं ।	**1**
(vi)	ii. भौहें	**1**
(vii)	ii. उत्प्रेक्षा	**1**
(viii)	iv. ओज व रौद्र	**1**
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(5)**
प्रश्न 3.		
(i)	उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते हैं? iii. इंट्रो, बॉडी, समापन	**1**
(ii)	ii. दूसरा दौर	**1**
(iii)	iii. जिज्ञासा	**1**
(iv)	ii. 'बंगाल गज़ट' कोलकाता से	**1**
(v)	i. किसी विभाग के कामकाज पर नज़र रखना और घोटाले या गड़बड़ी का पर्दाफाश करने की पत्रकारिता	**1**
	पाठ्य-पुस्तक	**(10)**
प्रश्न 4.		

https://www.evidyarthi.in

(i)	i. नागमती वियोग खण्ड -बारहमासा	**1**
(ii)	ii. उत्प्रेक्षा अलंकार	**1**
(iii)	i. दोहा चौपाई	**1**
(iv)	i. राख	**1**
(v)	ii. रत्नसेन	**1**
प्रश्न 5.		
(i)	ii. जहाँ कोई वापसी नहीं	**1**
(ii)	i. औद्योगीकरण के कारण अपने मूल निवास से विस्थापित लोग	**1**
(iii)	ii. लोकायन	**1**
(iv)	i. सिंगरौली क्षेत्र की	**1**
(v)	i. निर्मल वर्मा	**1**
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	**(07)**
प्रश्न 6.		
(i)	i. ईर्ष्या का	**1**
(ii)	ii. मंदिर के पिछवाड़े अमरूद के बाग में	**1**
(iii)	i. लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी का	**1**
(iv)	iii. हल्दी मिलाकर बनाई पूड़ी के रंग जैसा	**1**
(v)	ii. ग्यारह वर्ष बाद	**1**
(vi)	ii. क्षमा करने में	**1**
(vii)	i. बहुत अधिक	**1**
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(20)**
प्रश्न 7.	**किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख** • भूमिका- 1 अंक • विषय वस्तु- 3 अंक • भाषा - 1 अंक	**5x1=5**
प्रश्न 8.	**पत्र लेखन** • आरम्भ और अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक • विषय वस्तु- 3 अंक • भाषा - 1 अंक	**5x1=5**
प्रश्न 9.		
(i)	• देश विदेश की जानकारी • मनोरंजन का साधन • खेल को अलग पहचान देना	**3**

https://www.evidyarthi.in

	• बच्चों के लिए उपयोगी • विज्ञापन के जरिये वस्तुओं की जानकारी • सरकारी योजनाओ की जानकारी आदि । **अथवा** कहानी के तत्व **(किन्हीं दो का वर्णन)** 1. कथावस्तु – 2. पात्र का चरित्र चित्रण – 3. वातावरण 4. संवाद या कथोपकथन 5. भाषा शैली 6. उद्देश्य	
(ii)	फीचर लेखन का मुख्य कार्य पात्रों के द्वारा घटना का प्रस्तुतीकरण है। इस की शैली आकर्षक होनी चाहिए ताकि एक पाठक इस कला से तन्मयता और एकाग्रता के साथ रुचि लेकर पढ़ सके। फीचर लेखन क्योंकि मनोरंजन के साथसाथ सूचना और ज्ञान भी देता है- । **अथवा** पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' जानकारी व दिलचस्पी के अनुसार कार्य विभाजन को कहते हैं। विभिन्न विषयों से जुड़े समाचारों के लिए संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आम तौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रख कर किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे ही बीट कहा जाता है।	**2**
प्रश्न 10.		
(i)	(क) पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं और मुद्दों से है जबकि सृजनात्मक लेखन में कल्पना को भी स्थान दिया जाता है। (ख) पत्रकारीय लेखन पाठकों की तात्कालिक रुचियों और जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है जबकि सृजनात्मक लेखन में लेखक को विचार और भावजगत में विचरण करने की छूट होती है। (ग) सृजनात्मक लेखन में काव्यात्मक और आलंकारिक भाषा शैली अपनाई जा सकती है जबकि पत्रकारीय लेखन में हमेशा सरल-सहज और आम बोलचाल की भाषा और शैली अपनाई जाती है। **अथवा** (क) फीचर का प्रारंभ आकर्षक और उत्सुकता पैदा करने वाला होना चाहिए। (ख) फोटो, रेखांकन या ग्राफिक्स भी शामिल किए जाने चाहिए। (ग) भाषा और शैली में प्रवाह और गति होनी चाहिए।	**3**
(ii)	व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने पर भी किसी विशेष विषय की जानकारी और अनुभव	**2**

https://www.evidyarthi.in

	के आधार पर समझ को उस सीमा तक विकसित करना कि उन विषयों की सटीक जानकारी दी जा सके तथा विश्लेषण किया जा सके। **अथवा** लेख में लेखक के विचारों को प्रमुखता दी जाती है। उसमें विषय से जुड़े सभी तथ्यों और सूचनाओं के अतिरिक्त पृष्ठभूमि की सामग्री भी दी जाती है जबकि विशेष रिपोर्ट में गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर उसके नतीजे, प्रभाव और कारणों को स्पष्ट किया जाता है।	
	पाठ्य-पुस्तक	**(20)**
प्रश्न 11.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में अपेक्षित -**	**6**
(i)	• फाल्गुन मास में। • ऋतु परिवर्तन और प्रकृति में परिवर्तन का विरहिणी से गहरा संबंध। • मन की दशा में परिवर्तन, प्रियतम की याद और वियोग वेदना का बढ़ जाना।	**3**
(ii)	• सत्य अदृश्य होते हुए भी आत्मा की आंतरिक शक्ति है। उसकी पहचान आत्म की सूक्ष्म अनुभूति के माध्यम से ही संभव है। दृढ़ निश्चय और लगन भी अनिवार्य। निरंतर बदलते हुए यथार्थ के बीच सतत प्रयास की आवश्यकता	**3**
(iii)	• असफल प्रेम की पीड़ा। • आशाओं वह आकांक्षाओं का पूरा न हो पाना। • जीवन में निरंतर दुख, संघर्षों एवं अकेलेपन का भार।	**3**
प्रश्न 12.	**किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में अपेक्षित -**	**4**
(i)	• नायिका की अतृप्ति की मनोदशा का वर्णन। • जीवन भर प्रियतम के रूप को निहारने पर भी पूर्ण तृप्ति की अनुभूति न होना क्योंकि वह रूप क्षण क्षण नवीन होता रहता है।	**2**
(ii)	• माँ कौशल्या द्वारा पुत्र को याद करके व्याकुल होना। • राम की वस्तुओं को हृदय से लगाना। • अनायास वनगमन की स्मृति हो जाने से दुख में डूबकर चित्र के समान स्थिर और शून्य हो जाना।	**2**
(iii)	• धरती की सृजनशक्ति को बनाए रखने के लिए पत्थरों, चट्टानों, ऊसर - बंजर आदि को तथा मन के भीतर के अरुचि, नीरसता, घृणा आदि भावों को तोड़ना अनिवार्य है। • बीज के पोषण के लिए धरती की गुड़ाई तथा मन में भावों- विचारों के पोषण के लिए नकारात्मक सोच को खोदकर निकालना जरूरी है।	**2**
प्रश्न 13.	**किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में अपेक्षित -**	**6**
(i)	• जिन्हें औद्योगीकरण की आंधी ने अपने घर- जमीन से उखाड़ कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया। • प्राकृतिक विपदाओं के कारण विस्थापित लोग आपदा टलने और स्थिति सामान्य	**3**

https://www.evidyarthi.in

	होने पर अपने परिवेश में लौट जाते हैं। • औद्योगिकीकरण के कारण मनुष्य का परिवेश हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है।	
(ii)	• बड़ी बहुरिया की पीड़ा से हरगोबिन का जी भारी होना। • गांव की लक्ष्मी का गांव छोड़कर चले जाने का विचार, बड़ी बहुरिया के प्रति दायित्व बोध का भाव, गांव की प्रतिष्ठा की चिंता।	**3**
(iii)	• लोगों का सभी शक्तियों से हीन हो जाना। • राजा का शक्तियों पर अधिकार कर लेना। • केवल राजा का जीवन सुखमय और शांति मय होना।	**3**
प्रश्न 14.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में अपेक्षित -**	**4**
(i)	• वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहां खूब नाचरंग व उत्सव होना। • प्रत्येक कार्य नौकरों से करवाया जाना। • एक छोटे लड़के का उनके पीछे-पीछे पान की तश्तरी लेकर लगे रहना।	**2**
(ii)	• समय और परिस्थितियों के बदलने के साथ धर्म के रूप और नियमों में बदलाव न करना। • पुरानी परिपाटियों और अंधविश्वासों को ढोने की प्रवृत्ति।	**2**
(iii)	• वे गोताखोर जो गंगा की धार में बहते हुए दोनों में से पैसे उठाते हैं। • धारा के तेज बहाव में गहरी डुबकी लगा कर सिक्के निकाल कर लाना। • वस्त्रों में आग लगने जैसे जोखिम उठाना	**2**

https://www.evidyarthi.in